



Hargharpanditji

॥ धनतेरस पर वास्तु उपाय ॥
ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ धनतेरस पर वास्तु उपाय ॥

मुख्य द्वार की सफाई करें

धनतेरस से पहले घर के मुख्य द्वार और उसके आसपास की अच्छी तरह सफाई करें। मुख्य द्वार को शुभ एवं सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान माना जाता है।

मुख्य द्वार पर दीपक जलाएँ

शाम के समय मुख्य द्वार के दोनों ओर दीपक जलाएँ। इससे घर का वातावरण प्रकाशमय और सकारात्मक बनाने की परंपरा है।

रंगोली बनाएँ

धनतेरस पर मुख्य द्वार के सामने सुंदर रंगोली बनाएँ। रंगोली में स्वस्तिक, कमल या शुभ-लाभ जैसे मंगल प्रतीकों का प्रयोग किया जा सकता है।

उत्तर दिशा को रखें साफ

वास्तु में उत्तर दिशा को धन और समृद्धि से जोड़ा जाता है। धनतेरस के दिन उत्तर दिशा में अनावश्यक सामान, कूड़ा या टूटी वस्तुएँ न रखें।

तिजोरी की सही दिशा

धन रखने वाली तिजोरी या लॉकर को ऐसी जगह रखें कि उसका द्वार उत्तर दिशा की ओर खुले। इसे धन की सकारात्मक ऊर्जा के लिए शुभ माना जाता है।

नमक से करें सफाई

धनतेरस पर घर की सफाई के दौरान पानी में थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर पोछा लगाने की परंपरा है। इसे नकारात्मकता दूर करने का पारंपरिक उपाय माना जाता है।

टूटी और बेकार वस्तुएँ हटाएँ

पुराने, टूटे हुए बर्तन, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान और अनुपयोगी वस्तुओं को घर से हटाएँ। विशेष रूप से मुख्य द्वार और पूजा स्थान को अव्यवस्था से मुक्त रखें।

पूजा स्थान को सजाएँ

पूजा घर को स्वच्छ करके वहाँ माँ लक्ष्मी, भगवान गणेश और भगवान धन्वंतरि की पूजा करें। पूजा स्थान में पर्याप्त प्रकाश रखें।

दक्षिण दिशा में यम दीपक

धनतेरस की शाम यम देव के निमित्त घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक रखने की परंपरा है। इसे अकाल मृत्यु से रक्षा की कामना से जोड़ा जाता है।

शुभ वस्तुओं का आगमन

धनतेरस पर अपनी क्षमता और आवश्यकता के अनुसार सोना, चाँदी, बर्तन या अन्य उपयोगी वस्तु खरीदना शुभ माना जाता है। खरीदी गई वस्तु को लक्ष्मी पूजा में शामिल किया जा सकता है।